भारत सरकार
कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 178
उत्तर देने की तारीख 04 दिसंबर, 2023
सोमवार, 13 अग्रहायण, 1945 (शक)

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय कौशल केंद्र (आईआईएससी)

178. श्री मद्दीला गुरूमूर्ति: श्री मगुंटा श्रीनिवासुलू रेड्डी:

क्या कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश भर में कितने भारतीय अंतराष्ट्रीय कौशल केंद्र (आईआईएससी) स्थापित किए गए हैं;

(ख) उनकी वित्तीय, भौतिक और कार्यात्मक प्रगति का ब्योरा क्या है; और

(ग) आंध्र प्रदेश में स्थापित किए गए या प्रक्रियाधीन आईआईएससी का ब्योरा क्या है और इनकी संख्या कितनी है?

उत्तर

कौशल विकास और उदयमशीलता राज्य मंत्री
(श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क), (ख) और (ग) जी, स्किल इंडिया मिशन (सिम) विश्व भर में वैश्विक प्रतिभा की मांग करता है। स्किल इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (एसआईआईसी) की स्थापना उन छात्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की गई थी जो विदेश में अवसर तलाशते हैं। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) ने शुरुआत में वैश्विक मानकों के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण और प्रमाणन प्रदान करने के लिए आईआईएससी की कल्पना की थी। आईआईएससी का प्राथमिक उद्देश्य प्रशिक्षण, परामर्श और संसाधन केंद्रों के रूप में कार्य करके व्यक्तियों को विदेशी में रोजगार के लिए तैयार करना था।

2 जुलाई, 2018 तक आयोजित आईआईएससी के प्रायोगिक चरण में युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर जॉब के अवसर प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) और प्रवासी कौशल विकास योजना (पीकेवीवाई) स्कीमों को कार्यान्वित करने के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के माध्यम से केंद्रों की स्थापना शामिल थी। इस प्रायोगिक चरण के दौरान, उम्मीदवारों को अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पूरा करने वाले क्षेत्र कौशल प्रशिक्षण और प्रस्थान पूर्व उन्मुखीकरण प्रशिक्षण (पीडीओटी) दोनों प्रदान किए गए। इस चरण से यह आभास हुआ कि सार्थक रोजगार प्राप्त करना, विदेशी गंतव्यों में अनुकूलन और आपातकालीन सहायता जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन की आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए एक व्यापक समर्थन संरचना की आवश्यकता है। इससे सक्रिय व्यक्तियों को शुरू से अंत तक सहायता प्रदान करने के लिए एसआईआईसी की अवधारणा तैयार की गई।

एसआईआईसी की कल्पना विदेश में रोजगार की चाह रखने वाले व्यक्तियों के लिए केंद्रीकृत हब के रूप में की गई है। ये हब न केवल अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रशिक्षण देंगे बल्कि परामर्श, पासपोर्ट और वीजा प्रक्रियाओं में सहायता और नियोजन पश्चात सहायता आदि भी प्रदान करेंगे। एसआईआईसी का व्यापक लक्ष्य भारत से निष्पक्ष और पारदर्शी कुशल गतिशीलता सुनिश्चित करते हुए 'विश्वसनीय कार्यबल आपूर्ति श्रृंखला' स्थापित करना है।

वित्तीय-वर्ष 2023-24 के लिए बजट घोषणा के अनुरूप, एमएसडीई ने विभिन्न राज्यों में 30 भारत अंतर्राष्ट्रीय कौशल केंद्रों (एसआईआईसी) की स्थापना का प्रस्ताव दिया है। एसआईआईसी स्थानों का चयन प्रवासन पैटर्न और विभिन्न क्षेत्रों में विदेशी गतिशीलता की मांग पर आधारित है, जो एक सतत प्रक्रिया है। वर्तमान में, दो एसआईआईसी, एक

वाराणसी में और दूसरा एसडीआई, भुवनेश्वर में स्थापित किए गए हैं। वाराणसी केंद्र में इलेक्ट्रिकल, हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (एचवीएसी), ऑटोमोटिव, प्लंबिंग, मचान, सौर तकनीशियन प्रशिक्षण, भाषा के लिए प्रयोगशालाएं हैं, जबकि भुवनेश्वर केंद्र में एक चालू एचवीएसी प्रयोगशाला है। अगस्त, 2022- दिसंबर 2023 के दौरान एसआईआईसी वाराणसी से कुल 4,230 उम्मीदवारों को विदेशों में रोजगार प्रदान किया गया है।

****